

हर घड़ी याद सताये मोहन तेरे गम में मैं बन गई जोगन



हर घड़ी याद सताये मोहन,

दोहा – आ भी जा श्याम मेरे,
तीरे जुदाई से,
मेरे सीने में भारी,
ज़ख्म हो गया है,
इतना रोया है ये दिल,
तेरी याद में,
मेरी आँखों का पानी,
खत्म हो गया है।

हर घड़ी याद सताये मोहन,
तेरे गम में मैं बन गई जोगन,
मेरी अखियाँ भी बन गई बैरन,
तेरे गम में मैं बन गई जोगन।

तर्ज – जिन्दा रहने के लिए।

ये सोचा नहीं था कि तेरे बिना,
विरह का ये विष पड़ेगा पीना,
खड़ी हूँ तेरी राह में,
ना कोई मेरे पास है,
नैनो से बहे नीर और,
मन भी उदास है,
ये मन भी उदास है,
तेरे गम में मैं बन गई जोगन।

मैं तो बैठी हूँ यहाँ,
श्याम तू ना आये,
बिन तेरे ओ नटवर,
दिल मेरा घबराये,
चलते मेरे तो कदम,
डगमगाने हैं लगे,
मेरी हर स्वांस भी अब तो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



ओ मेरे मसीहा मुझे थाम ले,
मैं तेरी तू मेरा है ये जान ले,
सहे खूब मैंने जुदाई के गम,
लगे अब तो जीना भी मुझको भरम,
बंधी हूँ तेरी प्रीत से,
ना मेरा ये कसूर है,
बतादे मेरे सांवरा,
पर तू क्यों मजबूर है,
हाँ तू क्यों मजबूर है,
तेरे गम में मैं बन गई जोगन।

तुझे ओ कन्हैया आना ही पड़ेगा,
जमाने को जलवा दिखाना पड़ेगा,
तू दीन का सहाय है,
भरोसा विश्वास है,
पड़ेगी तुझे सुननी,
ये दिल की आवाज़ है,
ये दिल की आवाज़ है,
तेरे गम में मैं बन गई जोगन।

हर घड़ी याद सताये मोहन,
तेरे गम में मैं बन गई जोगन,
मेरी अखियाँ भी बन गई बैरन,
तेरे गम में मैं बन गई जोगन।

Singer & Lyrics – Mukesh Kumar Ji